हिन्दुस्तान 26 दिसम्बर 2014

आज होगा समझौता, गन्ना किसानों की भी मदद करेगा संस्थान

शोध संस्थान को कर्नाटक लेगा एनएसआई की मदद

गर्व के क्षण

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) और कर्नाटक सरकार के बीच शुक्रवार को समझौता होगा। कर्नाटक सरकार अपने राज्य में चीनी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एक शर्करा संस्थान खोलना चाहती है। समझौते में इसके इतर कई अन्य बिन्दुओं को भी शामिल किया जाएगा।

एनएसआई देश में इकलौता चीनी शोध संस्थान है जिसके पास अपनी चीनी मिल और फार्म भी है। यहां से निकले विशेषज्ञों का ही पूरे देश की चीनी मिलों पर कब्जा है। चीनी उत्पादन बढ़ाने की कोशिशों में सबसे बड़ी बाधा विशेषज्ञ लोगों की कमी बताई जा रही है। कर्नाटक ने इसे महसूस कर अपने राज्य में एक शोध संस्थान खोलने का निर्णय लिया है जिसको स्थापित कराने में एनएसआई मदद को तैयार हो गया है।

आज आएंगे सचिव

कर्नाटक सरकार के सचिव शुक्रवार को एनएसआई आ रहे हैं। वे यहां एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर सुरेन्द्र मोहन के साथ समझौते के बिन्दुओं पर वार्ता करेंगे। कर्नाटक फिलहाल केवल शोध संस्थान खोलना चाहता है जिसका अनुभव केवल एनएसआई के पास है। एनएसआई हर बिन्दु पर सलाह देने के साथ अपने विशेषज्ञों से मदद के लिए भी तैयार है। निदेशक का कहना है कि वैसे तो आमतौर पर सहमति हो चुकी है लेकिन शुक्रवार को बैठक के बाद इसका स्पष्ट प्रारूप तैयार हो जाएगा।

किसानों की मदद

कर्नाटक सरकार गन्ना किसानों की सीधे मदद भी कराना चाहता है। किसानों को सही रेट न मिल पाने के कारण वहां कई तरह की समस्याएं आ रही हैं। इसमें एनएसआई मददगार बन सकता है। वहां के किसानों को यह बताया जा सकता है कि गन्ना काटने के बाद कितने समय में चीनी मिल तक इसे पहुंचा देना चाहिए ताकि रिकवरी रेट बढ़ सके। इसके अतिरिक्त गन्ना उत्पादन में नवीन टेक्नालॉजी के उपयोग को बढ़ावा देने और किसानों को प्रशिक्षित करने के मुद्दे भी शामिल हैं।

दैनिक जागरण 26 दिसम्बर 2014

एनएसआई बढ़ाएगा कर्नाटक का चीनी उत्पादन

कानपुर: उत्तर प्रदेश व महाराष्ट्र के बाद चीनी उद्योग में उभरते कर्नाटक को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) के वैज्ञानिक व टेक्नीशियन नई तकनीकों से रूबरू कराएंगे। कर्नाटक के व्यापार व उद्योग सचिव तुषार गिरिनाथ एनएसआई के साथ इस समझौते पर करार करने के लिए आ रहे हैं। इसमें चीनी उत्पादन की नई तकनीक की जानकारी के साथ संयुक्त रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम व कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। कर्नाटक सरकार चीनी उद्योग को बढ़ाने के साथ उससे संबंधित उत्पादों में इजाफा करना चाहती है। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र कुमार ने बताया कि विदेशी वैज्ञानिकों के साथ मिलकर संस्थान में ऐसी तकनीक इजाद की हैं जिससे गन्ने की गुणवत्ता बढ़ाकर उसके रस से तैयार होने वाले उत्पाद को 5 से 10 फीसद बढ़ाया जा सकता है। शुगर इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए कर्नाटक सरकार ने बेलगाम में एस निजलिंगप्पा शुगर इंस्टीट्यूट खोला है। इसमें गन्ने के उत्पादन व उत्पादों का अध्ययन किया जाएगा।